NCERT
National Council Of Educational Research And Training

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 1-हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)

IndCareer
Schools

indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 1-हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)

Class 7: Hindi Chapter 1 solutions. Complete Class 7 Hindi Chapter 1 Notes.

NCERT Solutions for 7th Class Hindi: Chapter 1-हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)

NCERT 7th Hindi Chapter 1, class 7 Hindi Chapter 1 solutions

पृष्ठ संख्या - 2

प्रश्न-अभ्यास

कविता से

1. हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नही रहना चाहते**?**

उत्तर

हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद इसलिए रहना नहीं चाहते क्योंकि उन्हें स्वतंत्रता पसंद है, वे बंधन में रहना नही चाहते। वे खुले आकाश में आजादीपूर्वक उड़ना चाहते हैं।

2. पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं**?**

उत्तर

पक्षी उन्मुक्त रहकर नदियों का शीतल जल पीना, कड़वी निबोरी खाना, पेड़ की सबसे ऊँची टहनी पर झूलना, खुले और विस्तृत आकाश में उड़ना, और क्षितिज के अंत तक उड़ने की इच्छाओं को पूरी करना चाहते हैं।

3. भाव स्पष्ट कीजिए **-**

"या तो क्षितिज मिलन बन जाता/या तनती साँसों की डोरी।**"**

उत्तर

इस पंक्ति में कवि ने बताया है कि पक्षी स्वतंत्र होकर क्षितिज यानी आकश और धरती के मिलन के स्थान तक जाने की इच्छा रखते हैं। वे या तो इसे प्राप्त करना चाहते हैं नहीं तो अपने प्राणों को न्योछावर कर दें।

कविता से आगे

1. बहुत से लोग पक्षी पालते हैं **-**

(क**)** पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं**?** अपना विचार लिखिए।

उत्तर

पक्षियों का पालना अनुचित कार्य है क्योंकि इससे उनकी आजादी का हनन होता है। उनके पास पंख हैं, वे आसमान में उड़ना चाहती हैं। वे प्रकृति की छाँव में खुलकर रहना चाहती हैं ना की हमारे बंद पिंजरों में। जिस तरह हमें आजादी पसंद है उसी तरह वे भी स्वछंदता पसंद करती हैं क्योंकि बंधन में रहकर मिलने वाली सुविधाओं से आजादी की स्थिति श्रेष्ठ है।

2. पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज़ादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है। इस विषय पर दस पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।

उत्तर

पक्षियाँ हमारे पर्यावरण को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर हम उन्हें स्वछंदता ना प्रदान कर पिंजरे में बंद रखेंगे तो हमारा पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा। ये पर्यावरण के अनेक चीज़ों में सहायक का काम करती हैं। कुछ पक्षी छोटे कीटों को खाते हैं जिससे संतुलन बनाये रखने में मदद मिलती है। पक्षी फलों को खाकर उनके बीजों को गिरा देते हैं जिसके फलस्वरूप नए-नए पौधों पनपते हैं। कुछ पक्षी सफाई का काम भी करती हैं। वे आसपास की हमारी फैलाई गंदगी जैसे रोटी का टुकड़ा आदि खाकर उसे स्वच्छ बनाये रखने का काम करते हैं। यदि ये पक्षी नहीं रहेंगे तो पर्यावरण दूषित हो जाएगा और मानव कई बीमारियों से ग्रस्त हो जाएगा। इसलिए पर्यावरण की तरह इनका भी एक महत्व है।

भाषा की बात

1. स्वर्ण-श्रृंखला और लाल किरण-सी में रेखांकित शब्द गुणवाचक विशेषण हैं।

कविता से ढूंढ़कर इस प्रकार के तीन और उदाहरण लिखिए

उत्तर

पुलकित-पंख, कटुक-निबौरी, कनक-कटोरी

2. 'भूखे-प्यासे' में द्वंद्व समास है। इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिह्न को सामासिक चिह्न (-) कहते हैं। इस चिह्न से 'और' का संकेत मिलता है, जैसे - भूखे-प्यासे=भूखे और प्यासे।

• इस प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर

सुख-दुःख, रात-दिन, अमीर-गरीब, बुरा -भला , अपना-पराया, पाप-पुण्य, सही-गलत, धूप-छाँव, सुबह-शाम, खट्टा-मीठा।

NCERT 7th Hindi Chapter 1, class 7 Hindi Chapter 1 solutions

Chapterwise NCERT Solutions for Class 7 Hindi :

- Chapter 1- हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)
- Chapter 2-दादी माँ (कहानी)
- Chapter 3-हिमालय की बेटियां (निबंध)
- Chapter 4-कठपुतली (कविता)
- Chapter 5-मिठाईवाला (कहानी)
- Chapter 6-रक्त और हमारा शरीर (निबंध)
- Chapter 7-पापा खो गए (नाटक)
- Chapter 8-शाम-एक किसान (कविता)
- Chapter 9-चिड़िया की बच्ची (कहानी)
- Chapter 10-अपूर्व अनुभव (संस्मरण-जापानी)
- Chapter 11-रहीम के दोहे (कविता)
- Chapter 12-कंचा (कहानी)
- Chapter 13 -एक तिनका (कविता)
- Chapter 14-खानपान की बदलती तस्वीर (निबंध)
- Chapter 15-नीलकंठ (रेखाचित्र)
- Chapter 16-भोर और बरखा (कविता)
- Chapter 17-वीर कुँवर सिंह (जीवनी)
- Chapter 18-संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाज हो गया: धनराज (साक्षात्कार)
- Chapter 19-आश्रम का अनुमानित व्यय (लेखा-जोखा)
- Chapter 20-विप्लव गायन (कविता)

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.